Press Release

Vermicomposting Programme

मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प: वर्मीकम्पोस्ट कार्यक्रम आयोजित

हजारीबाग:
स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग के परिसर में हरितिमा इको क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई १ के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जैविक अपशिष्टों के वैज्ञानिक प्रबंधन, प्राकृतिक खाद के निर्माण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना था।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सरिका कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि, "प्रकृति का संरक्षण केवल हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व भी है। वर्मी कम्पोस्ट जैसी पर्यावरण-अनुकूल पहलें हमें जैविक खेती, स्वच्छ परिसर और सतत विकास की दिशा में प्रेरित करती हैं। यदि हम अपने दैनिक जीवन में जैविक अपशिष्टों का उचित प्रबंधन करें, तो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।"कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकगण एवंप्रशिक्षुओं ने वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कीप्रक्रिया का अवलोकन किया तथा इसके पर्यावरणीय, कृषि एवं सामाजिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों को जैविक कचरे के पुनः उपयोग तथा रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर प्राकृतिक खाद के प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति सदैव जागरूक रहने का संकल्प लिया। यह आयोजन महाविद्यालय की पर्यावरणीय चेतना एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण सिद्ध हुआ स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग के परिसर में हरितिमा इको क्लब राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई १ के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जैविक अपशिष्टों के वैज्ञानिक प्रबंधन, प्राकृतिक खाद के निर्माण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना था।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सरिका कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि, "प्रकृति का संरक्षण केवल हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व भी है। वर्मी कम्पोस्ट जैसी पर्यावरण-अनुकूल पहलें हमें जैविक खेती, स्वच्छ परिसर और सतत विकास की दिशा में प्रेरित करती हैं। यदि हम अपने दैनिक जीवन में जैविक अपशिष्टों का उचित प्रबंधन करें, तो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।"कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकगण एवंप्रशिक्षुओं ने वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कीप्रक्रिया का अवलोकन किया तथा इसके पर्यावरणीय, कृषि एवं सामाजिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों को जैविक कचरे के पुनः उपयोग तथा रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर प्राकृतिक खाद के प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति सदैव जागरूक रहने का संकल्प लिया। यह आयोजन महाविद्यालय की पर्यावरणीय चेतना एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण सिद्ध हुआ।

द जोहार टाइम्स : दिनांकः 29.07.2026 पृष्ट संख्या 04

वर्मी कंपोस्ट निर्माण पर कार्यक्रम

हजारीबाग. स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन परिसर में हरीतिमा इको क्लब के नेतृत्व में वर्मी कंपोस्ट निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इसका उद्देश्य जैविक अपशिष्टों का वैज्ञानिक प्रबंधन, प्राकृतिक खाद का निर्माण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना था. महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ सारिका कुमारी ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि नैतिक दायित्व भी है. उन्होंने कहा कि वर्मी कंपोस्ट जैसी पर्यावरण-अनुकूल पहल जैविक खेती, स्वच्छ परिसर और सतत विकास को बढ़ावा देती है. दैनिक जीवन में जैविक अपशिष्टों का उचित प्रबंधन कर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है. कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकों और प्रशिक्षुओं ने वर्मी कंपोस्ट निर्माण की प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा इसके पर्यावरणीय, कृषि और सामाजिक महत्व की जानकारी प्राप्त की. प्रतिभागियों को जैविक कचरे के पुनः उपयोग और रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर प्राकृतिक खाद के प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया.

प्रभात खबर : दिनांकः 30.07.2026 पृष्ट संख्या 02

मिट्टी की उर्वरता और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

बिभा संवाददाता

हजारीबागः स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन, हजारीबाग के परिसर में हरितिमा इको क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई १ के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जैविक अपशिष्टों के वैज्ञानिक प्रबंधन, प्राकृतिक खाद के निर्माण तथा पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना था।इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सरिका कुमारी ने अपने संबोधन में कहा कि, प्रकृति का संरक्षण केवल हमारी जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व भी है। वर्मी कम्पोस्ट जैसी पर्यावरण-अनुकूल पहलें हमें जैविक खेती, स्वच्छ परिसर और सतत विकास की दिशा में प्रेरित करती हैं। यदि हम अपने दैनिक जीवन में जैविक अपशिष्टों का उचित प्रबंधन करें, तो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान प्राध्यापकगण एवंप्रशिक्षुओं ने वर्मी कम्पोस्ट निर्माण कीप्रक्रिया का अवलोकन किया तथा इसके पर्यावरणीय, कृषि एवं सामाजिक महत्व की जानकारी प्राप्त की। प्रतिभागियों को जैविक कचरे के पुनः उपयोग तथा रासायनिक उर्वरकों के स्थान पर प्राकृतिक खाद के प्रयोग के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति सदैव जागरूक रहने का संकल्प लिया। यह आयोजन महाविद्यालय की पर्यावरणीय चेतना एवं सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण सिद्ध हुआ।

बिभा : दिनांकः 30.07.2026

For Sanjay Gupta
30/7/2

Principal
Swami Dharmabandhu College of Education
Harhad, Mukundganj, Hazaribag